

SPC GOVERNMENT COLLEGE, AJMER

Report of Aanandam Diwas (February 2021)

The Aanandam Diwas was celebrated on 27/02/2021 in Maharana Pratap auditorium of our college under the auspicious presence of honourable chief guest principal Dr Pratibha Yadav . On this occasion our senior most faculty member, Dr Kalpana Arora and all the mentors and students of B.A.,B.Com,B.Sc part 1 pass course and of honours were present. All the staff members also graced the programme by their precious presence.

The programme was inaugurated by lighting of the lamp before the goddess of knowledge Ma Saraswati by our Principal, Dr Pratibha Yadav. She addressed the gathering by emphasising the aims and goals of the Aanandam programme. She said that the inculcation of moral values as kindness, generosity, helpfulness in all the people of the community is the need of the hour. What we receive from society, we are responsible to return in various manners to it. Community service has various spheres like environment protection, care of old and needy people, care of animals. she told that the key essence of program is joy of giving

The nodal officer Dr Rashmi Bhargava addressed the gathering by orientation of the new compulsory subject Aanandam introduced in the session 2020-2021 by the commissionerate college education ,Rajasthan.Aanandam is a credited subject that aims to instill the joy of giving and sharing amongst the young students through community participation. The programme will nurture leadership quality in our youth by connecting them with society and problem.The happiness index of students will increase.The employment opportunities could also be discovered by the students when he associates himself with NGOs, Government institutions and society.the programme schedules two activities , first on individual level that is diary writing on good deeds performed daily by the students and their interaction with their mentors in their respective classes.secondly in group activity community service is to be performed.The areas of working was stated by illustrating the examples of good deed for diary writing and live examples for project writing.

On this occasion motivational lectures were delivered by Dr Prakash Bachlus, Dr Bharti Prakash and Dr Archana Tiwari from Arts, Science and Commerce faculty respectively. They motivated the students with live examples and stories. The students also shared their experiences of good deeds performed by them in their daily routine in different fields.

The exhibition was inaugurated by our Principal. The concept of Anandam was displayed in slogans and posters made by the students. Forty-eight entries of these slogans and posters magnified the key essence of the scheme launched by the Govt. of Rajasthan. One hundred and ten entries in visitors' diaries appreciated the hidden talents of the students. The conveners were Dr Vibha Khanna and Dr V. Uma.

The programme stretched for approximately three hours. The students actively participated in the programme. The vote of thanks was given by Dr Prakash Sirvi. The programme was compared by Dr Prena Jain. The press note of the programme was prepared by Dr Aditya Sharma and Dr Mukesh Sharma. The programme ended on a positive note.

PHOTOGRAPHS



CHIEF GUEST PRINCIPAL DR PRATIBHA YADAV

NODAL OFFICER

DR RASHMI BHARGAVA

INAGURATION OF AANANDAM DIWAS



MOTIVATIONAL LECTURE BY DR PRAKASH BACHLUS



MOTIVATIONAL LECTURE BY DR BHARTI PRAKASH



MOTIVATIONAL LECTURE BY ARCHANA TIWARI



STUDENTS PARTICIPATION



EXHIBITION OF SLOGANS AND POSTERS ON JOY OF SHARING



AANANDAM COMMITTEE MEMBERS

ORIENTATION ON AANANDAM PROGRAMME BY DR RASHMI BHARGAVA





एक्सक्लूसिव

सभी भाषाओं की जननी संस्कृत को बोलचाल की भाषा बनाने का प्रयास

संस्कृत भारती एवं अन्य संस्थाएं जुटी इस मुहिम में

चन्द्र प्रकाश जोशी
petrika.com

अजमेर. राजस्थान के पांच गांव जल्द ही संस्कृत साक्षर घोषित होंगे। संस्कृत भारती संगठन की ओर से इन गांवों में संस्कृत को बोलचाल की भाषा बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। इसके लिए संभाषण शिविरों सहित

अन्य गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।

विश्व का पहला संस्कृत साक्षर गांव कर्नाटक राज्य का मुथुरू गांव घोषित किया गया है। इसके बाद एक पायलट प्रोजेक्ट के तहत संस्कृत भारती राजस्थान, उत्तराखण्ड व मध्यप्रदेश में यह कार्य कर रही है। संगठन प्रवाधिकारियों के अनुसार संस्कृत को बढ़ावा देने के उद्देश्य से यह कार्य किया जा रहा है। इसके लिए फिलहाल राजस्थान के पांच गांवों को चिह्नित किया गया है। इन्हें शीघ्र ही संस्कृत साक्षर गांव के रूप में घोषित कर दिया जाएगा।

राजस्थान के इन गांवों का चिह्निकरण

जिला	गांव
अजमेर	सावर
जोधपुर	लोधवा
झालावाड़	मानपुरा
बूंदी	कापरेल
बांसवाड़ा	घनोर



अजमेर जिले के सावर में संस्कृत भारती के संभाषण युवक-युवतियां व अन्य।

इन राज्यों के यह गांव भी शामिल

प्रो. आशुतोष पाटीक के अनुसार मध्यप्रदेश का जीरे मध्यप्रदेश का मोहद, उत्तराखण्ड का भन्तोला गांव भी दौड़ में शामिल हैं।

इस संस्था का भी रहा प्रयास

लोकभाषा प्रचार समिति की ओर से भी पूर्व में कई संस्कृत संभाषण शिविरों के आयोजन किए गए हैं।

पायलट प्रोजेक्ट के लिए इन गांवों को संस्कृत घोषित रहे हैं। संस्कृत संभाषण के शीतकालीन प्रीथमकार आयोजित कर कई कार्यकर्ता तैयार किए गए। इन गांवों में कॉलेज, संस्कृत स्कूल हैं।

देवेन्द्र पण्ड्या, प्रांतीय संगठन मंत्री वित्तौड़ प्रांत

आनंदम् पाठ्यक्रम देता प्रकृति और सामाजिक सेवा की सीख

अजमेर @ पत्रिका. सम्राट पृथ्वीराज चौहान राजकीय महाविद्यालय में शनिवार को आनंदम् दिवस मनाया गया। प्राचार्य डॉ. प्रतिभा यादव ने कहा कि प्रकृति, समाज एवं जीवों से प्रेम ही आनंदम् है। विद्यार्थियों को सामुदायिक कार्यों को प्रति जिम्मेदारी निभानी चाहिए। नोडल अधिकारी डॉ. रश्मि भार्गव ने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को आनंदम् पाठ्यक्रम की जानकारी देते हुए कहा कि विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के अंक दिए जाएंगे। यह



अंक उनके वार्षिक परीक्षा परिणाम में परिलक्षित होंगे। डॉ. भारती प्रकाश, डॉ. प्रकाश बचलस एवं डॉ. अर्चना तिवारी ने भी संबोधित किया। विद्यार्थियों ने भी आनंदम् कार्यक्रम से

जुड़े अनुभव बताए। इस दौरान नारा लेखन प्रदर्शनी का आयोजन भी किया गया। डॉ. वी. उमा एवं डॉ. विभा खन्ना, डॉ. प्रकाशसिरवी मौजूद रहे। संचालन डॉ. प्रेरणा जैन ने किया।

अजमेर @ में हजरत स जिगर सो मोंके पर उ भेजी गई च शानो शौद गई। चाव रूप में सां तक ले मजार शर कर अमन गई इस व सलिन कई

भारत डायबिटीज़ में दूसरा तो दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा

7.7 करोड़ डायबिटिक मरीज़ हैं देश में

13.5 करोड़ भार

हेल्दी होने और मोटापे में